प्रारम्भिक कार्य

अध्यक्ष द्वारा प्रारम्भिक सम्बोधन

माननीय सदस्यगण,चतुर्दश बिहार विधान–सभा के चतुर्थ सत्र के प्रारम्भ के अवसर पर आप सबों का हार्दिक स्वागत है।

संसदीय लोकतंत्र की मर्यादाओं के अन्तर्गत प्रदेश की वर्त्तमान परिस्थिति में विकास की संभावनाओं के चिन्तन एवं सरकार की भूमिका के विवेचना के प्रति अपनी विधायी जिम्मेदारियों को संचालित करने हेतु हम सभा वेश्म में उपस्थित हैं। निर्वाचित जन प्रतिनिधि होने के नाते प्रदेश की जनता की वास्तविक अपेक्षाओं के अनुरूप,नियमों,प्रकियाओं एवं परम्पराओं का निर्वहन करते हुए सकारात्मक एवं रचनात्मक भूमिका के सफलतापूर्वक प्रस्तुतीकरण के साथ–साथ संसदीय लोकतांत्रिक मर्यादाओं की रक्षा करने का हमारा दायित्व बनता है। सदन के संचालन की सफलता सरकार की सकारात्मक संवेदनशीलता एवं प्रतिपक्ष की रचनात्मक विवेकशीलता पर निर्भर करती है।मुझे पूर्ण विश्वास है कि पूर्व की भांति सदन के सफल संचालन में आपका सकरात्मक सहयोग मुझे प्राप्त होगा।